

Shri Vichitra Veer Hanuman Mala Mantra

श्री विचित्रवीर हनुमन् मालामन्त्र

ओं नमो भगवते विचित्रवीरहनुमते प्रलयकालानल प्रज्वलनाय प्रतापवज्रदेहाय अञ्जनीगर्भसम्भूताय
प्रकटविक्रमवीरदैत्य-दानवयक्षराक्षोगणग्रहबन्धनाय भूतग्रहबन्धनाय प्रेतग्रहबन्धनाय पिशाचग्रहबन्धनाय
शाकिनीडाकिनीग्रहबन्धनाय काकिनीकामिनीग्रहबन्धनाय ब्रह्मग्रहबन्धनाय ब्रह्मराक्षसग्रहबन्धनाय
चोरग्रहबन्धनाय एहि एहि आगच्छ आगच्छ आवेशय आवेशय मम हृदये प्रवेशय प्रवेशय स्फुर स्फुर प्रस्फुर
प्रस्फुर सत्यं कथय कथय व्याघ्रमुखं बन्धय बन्धय सर्पमुखं बन्धय बन्धय राजमुखं बन्धय बन्धय सभामुखं
बन्धय बन्धय शत्रुमुखं बन्धय बन्धय सर्वमुखं बन्धय बन्धय लङ्काप्रासादभञ्जन अमुकं मे वशमानय
वशमानय क्लीं क्लीं क्लीं ह्रीं श्रीं श्रीं राजानं वशमानय श्रीं ह्रीं क्लीं स्त्रीणां आकर्षय आकर्षय शत्रून् मर्दय मर्दय
मारय मारय चूर्णय चूर्णय खे खे खे श्रीरामचन्द्राज्ञया मम कार्यसिद्धिं कुरु कुरु ओं हां ह्रीं हूं हैं हौं हः फट् स्वाहा
। विचित्रवीर हनुमन् मम सर्व मम शत्रून् भस्मी कुरु कुरु हन हन हुं फट् स्वाहा ॥

इति श्री विचित्रवीर हनुमन् मालामन्त्रः ॥